प्राचीन व मध्यकालीन भारत का राजनीतिक व सांस्कृतिक इतिहास

(A POLITICAL AND CULTURAL HISTORY OF ANCIENT & MEDIAEVAL INDIA)

नवीनतम खोजों पर आधारित

(Based on Latest Researches)

आर० सी० अग्रवाल एम० ए०

(इतिहास व राजनीति), एल० एल० बी०

वाइस प्रिन्सिपल तथा इन्चार्ज/सायं पारी

अध्यक्ष, राजनीति विभाग, द्रोणाचार्य सनातन धर्म कालेज, गुडगांव (हरियाणा)

रचियता—भारत का नवीन इतिहास, भारत का सम्पूर्ण इतिहास, भारत का संवैधानिक विकास तथा राष्ट्रीय आन्दोलन, विश्व के प्रमुख संविधान, राजनीति शास्त्र के सिद्धान्त, आधुनिक सरकारों के सिद्धान्त तथा व्यवहार, भारतीय संविधान तथा स्थानीय स्वशासन, विश्व सरकारों के आधार इत्यादि ।

व

आर० आर० सेठी

एम० ए०, पी-एच० डी०

भूतपूर्व अध्यक्ष, इतिहास विभाग, पंजाब यूनिवर्सिटी, चण्डीगढ़

Manohar Memorial College LIBRARY
Accession No. 3527
Classification
(HISSAR)

तीसरा संशोधित, परिवर्धित तथा अद्यतनीकृत संस्करण

(3rd Edition, thoroughly revised, enlarged and brought up-to-date)

1974

सुलतान चन्द एण्ड सन्स

प्रकाशक

4792/23, दरियागंज दिल्ली-6

विषय सूची

पहला खण्ड

अध्याय	विषय	पृष्ठ
पहला	पूर्व-ऐतिहासिक भारत (Pre-historic India)	1—32
	भारत की प्राकृतिक विशेषताएँ	1—3
	भूगोल का भारत के इतिहास पर प्रभाव	3—6
	भारत के निवासी	6
	प्राचीन भारत में इतिहास कम मिलने के कारण	7—11
	प्राचीन भारतीय इतिहास के स्रोत	11—22
	विभिन्नता में एकता	22—31
दूसरा	प्रागैतिहासिक काल की सभ्यताएं तथा संस्कृतियाँ (Pre-historic Civilizations and Cultures)	31—37
	पूर्व-पाषाण युग	33
	मध्य-पाषाण युग	34
	उत्तर-पाषाण युग	34
	धातु युग का प्रारम्भ	34—35
	पूर्व-ऐतिहासिक भारत की प्रजातियाँ और संस्कृतियाँ	35—37
तीसरा	सिन्धु घाटी की सभ्यता (Indus Valley Civilisation)	38—51
	भवन, सार्वजनिक स्नानागार नालियाँ, गलियाँ और सड़कें	38—40
	सामाजिक जीवन—आभूषण, बर्तन, भोजन, मनोविनोद के साधन, कृषि तथा पशुपालन	40—41
	धर्म, कला, हथियार तथा शासन-पद्धति	41—43
	आर्थिक जीवन	43—44
	सिन्धु घाटी के लोगों के विदेशों से सम्बन्ध	44—45
	सिन्धु घाटी की सभ्यता की तिथि	45—46
	सिन्धु घाटी-सभ्यता की आर्य-सभ्यता से तुलना	46—48
	सिन्धु घाटी की सभ्यता के बारे में नई खोजें	48—50
चौथा	वैदिक सभ्यता (Vedic Civilisation)	52—89
	आर्यों के मूल देश पर नया प्रकाश	52—55
	क्या भारत ही आर्यों का मूल देश था ?	55—60
	आर्यों का सप्त-सिन्धु देश की तरफ बढ़ना	60—61
	वैदिक सभ्यता की प्राचीनता और ऋग्वेद की तिथि	61—62
	ऋग्वैदिक काल में आर्यों का सामाजिक जीवन	62—64

अध्याय	विषय	पृष्ठ
	ऋग्वैदिक काल में विज्ञान की उन्नति	64—65
	ऋग्वैदिक काल में आर्यों का आर्थिक, राजनीतिक और धार्मिक जीवन	65—74
	उत्तर वैदिक काल में साहित्य	74—80
	उत्तर वैदिक काल में राजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक और धार्मिक जीवन	80—88
	उत्तर वैदिक काल में प्राकृतिक तथा सामाजिक विज्ञानों की उन्नति	88
पाँचवां	महाकाव्य काल (रामायण तथा महाभारत युग) (Epic Age)	90—116
	रामायण युग	90—94
	महाभारत युग	94—96
	महाकाव्य काल में राजनीतिक व्यवस्था	97—99
	महाभारत काल तक भारत की वैज्ञानिक उन्नति	99—100
	महाभारत काल में गणराज्य	100
	महाकाव्य काल में लोगों का सामाजिक और आर्थिक जीवन	101—104
	महाभारत से बौद्ध काल तक का राजनीतिक इतिहास	104—105
	जाति-प्रथा या वर्ण-व्यवस्था	105—115
छठा	बौद्धकालीन धर्म (Religions during Buddhist Period)	117—168
	जैन धर्म (ऋषभ देव, पार्श्वनाथ, श्री महावीर का जीवन)	117—122
	महावीर और पार्श्वनाथ की शिक्षाओं में अन्तर तथा समानता	122—125
	जैन दर्शन और इसकी बौद्ध धर्म तथा हिन्दू धर्म से तुलना	125—126
	जैन साहित्य	126—127
	जैन मूर्तियाँ, शिलालेख तथा पश्चिमी पाकिस्तान और अफगानिस्तान में पुरातत्व	127—128
	महावीर के बाद जैन धर्म	129—130
	बौद्ध धर्म (महात्मा बुद्ध का जीवन चरित्र तथा शिक्षाएँ)	130—141
	बौद्ध धर्म के सिद्धान्त तथा हिन्दू धर्म के साथ इसका संबंध	141—145
	महात्मा बुद्ध के कार्य का मूल्यांकन	145—146
	बौद्ध साहित्य	146—147
	महात्मा बुद्ध के बाद बौद्धों की सभाएँ और धर्म प्रचार	147—148
	बौद्ध संघ का लोकतन्त्रीय संगठन	148—151
	हीनयान तथा महायान बौद्ध धर्म में अन्तर	151—152
	बौद्ध धर्म की शीघ्र उन्नति के कारण	152—155

CamScanner

अध्याय	विषय	पृष्ठ
	बौद्ध धर्म के पतन के कारण	155—15
	बौद्ध धर्म का भारत पर प्रभाव तथा इसकी देन	158—16
	आजीवक, शैव, वैष्णव या भागवत धर्म तथा चार्वाक	163—16
	हिन्दू धर्म, जैन धर्म और बौद्ध धर्म की अन्तर और समानता	165—16
सातवां	**बौद्ध काल का राजनीतिक तथा सांस्कृतिक इतिहास** (Political and Cultural History of India during Buddhist Period)	169—18
	बौद्ध काल के गणराज्य	169—172
	मगध का उत्थान	173—176
	सामाजिक और आर्थिक जीवन तथा विज्ञान की उन्नति	177—179
आठवां	**भारत पर ईरानी और यूनानी आक्रमण** (Persian and Greek Invasions on India)	181—206
	डेरियस प्रथम का भारत पर आक्रमण	182—183
	भारत पर ईरानी प्रभाव	183—184
	सिकन्दर के आक्रमण के समय उत्तरी भारत की राजनीतिक दशा	184—191
	सिकन्दर की दिग्विजय	191—203
	सिकन्दर के आक्रमण का प्रभाव	203—205
नौवां	**चन्द्रगुप्त मौर्य** (Chandra Gupta Maurya, 324 B.C. to 320 B.C.)	207—229
	मौर्य वंश का महत्त्व	207—208
	चन्द्रगुप्त का वंश	208—210
	चन्द्रगुप्त की विजएँ	210—214
	चन्द्रगुप्त मौर्य का स्थानीय, केन्द्रीय तथा सैनिक शासन	214—223
	चन्द्रगुप्त मौर्य के समय सामाजिक अवस्था	223
	मौर्यकालीन इतिहास के स्रोत	223—229
दसवां	**बिन्दुसार और अशोक महान्** (Bindusar and Asoka, the Great)	230—264
	बिन्दुसार	230
	अशोक मौर्य (अशोक का प्रारम्भिक जीवन, सिंहासनारोहण)	230—231
	अशोक की कश्मीर तथा कलिंग-विजय और इसके परिणाम	231—234
	अशोक के साम्राज्य की सीमाएँ	234—236
	अशोक का निजी धर्म	236—242
	अशोक के धर्म प्रचार के लिए कार्य	242—246
	सम्राट् अशोक का प्रशासन	246—249

अध्याय	विषय	पृष्ठ
	अशोक के समय के गणराज्य	249
	मौर्य सम्राटों के वैदेशिक सम्बन्ध	249—251
	अशोक की कला, स्तम्भ तथा स्तूप	251—254
	अशोक का चरित्र तथा इतिहास में उसका स्थान	254—256
	अशोक के उत्तराधिकारी	256—257
	मौर्य साम्राज्य के पतन के कारण	257—263
ग्यारहवां	**मौर्य काल में समाज, कला और विज्ञान की उन्नति** (Development of Society, Art and Science during the Mauryan Period)	265—271
	मौर्य काल में सामाजिक जीवन	265—266
	मौर्य काल में आर्थिक जीवन	266—267
	मौर्य काल में कला की उन्नति	267—269
	मौर्य काल में विज्ञान की उन्नति	269—271

दूसरा खण्ड

अध्याय	विषय	पृष्ठ
बारहवां	**शुंग, कण्व तथा आन्ध्र वंश (सातवाहन)** (Sungas, Kanvas and Satvahans)	2·1—2·15
	कलिंग राजा खारवेल	2·5
	गणराज्यों का पुनरुत्थान	2·6
	कण्व वंश, आन्ध्र या सातवाहन वंश	2·7—2·11
तेरहवां	**यूनानी, शक, पार्थियन (पहल्व) और कुशान** (Greeks, Sakas, Parthians and Kushans)	2·16—2·40
	यवन अथवा यूनानी	2·16
	पार्थियन या पहल्व	2·20
	शकों का भारत में प्रवेश	2·21
	कुशान साम्राज्य	2·24
	कनिष्क	2·25
	कनिष्क (सिंहासन पर बैठने की तिथि के बारे में विवाद)	2·25—2·26
	कनिष्क के युद्ध तथा विजय	2·26—2·28
	कनिष्क के साम्राज्य का विस्तार	2·28
	कनिष्क का धर्म	2·29—2·31
	कनिष्क का चरित्र तथा अशोक से उसकी तुलना	2·32—2·33
	कुशान युग की सभ्यता तथा संस्कृति	2·33—2·34
	भारत पर विदेशी शासन का प्रभाव	2·35
	भारतीय दर्शन तथा धर्म का विदेशियों पर प्रभाव	2·37
	कुशानों के विदेशी शासन के विरुद्ध नाग राजाओं और गणराज्यों का स्वतन्त्रता संघर्ष	2·38—2·40

CamScanner

अध्याय	विषय	पृष्ठ
चौदहवां	**गुप्त साम्राज्य** (The Gupta Empire)	2·41—2·89
	गुप्त राजाओं के उत्थान से पूर्व उत्तरी भारत की राजनीतिक दशा	2·42—2·45
	चन्द्रगुप्त प्रथम तथा समुद्रगुप्त	2·45—2·55
	रामगुप्त	2·56—2·59
	चन्द्रगुप्त द्वितीय तथा फाह्यान	2·59—2·63
	चन्द्रगुप्त द्वितीय का शासन-प्रबन्ध	2·64—2·66
	कुमारगुप्त प्रथम, स्कन्दगुप्त, पुरुगुप्त, बुद्धगुप्त इत्यादि	2·66—2·77
	गुप्त काल भारतीय इतिहास के स्वर्ण युग के रूप में	2·77—2·82
	गुप्त राजाओं के विदेशों से सम्बन्ध	2·82—2·83
	गुप्त साम्राज्य के पतन के कारण	2·83—2·87
पन्द्रहवां	**गुप्त कालीन शासन और संस्कृति** (Administration and Culture during Gupta Age)	2·90—2·138
	गुप्त कालीन शासन	2·90—2·98
	गुप्त कालीन साहित्य (कालीदास, भास तथा अन्य कवि)	2·98—2·103
	वैज्ञानिक साहित्य की उन्नति (नक्षत्र विद्या, ज्योतिष तथा गणित)	2·103—2·107
	कामशास्त्र की उन्नति	2·107
	पुराण	2·107—2·109
	औषधि विज्ञान की उन्नति	2·109—2·110
	रसायन शास्त्र तथा धातु विज्ञान की उन्नति	2·110—2·111
	विज्ञान की अन्य शाखाओं की उन्नति	2·111—2·112
	गुप्त कालीन कला	2·112—2·120
	गुप्त कालीन सिक्के	2·120—2·123
	गुप्त काल में सामाजिक दशा	2·123—2·128
	गुप्त काल में धार्मिक दशा	2·128—2·134
	गुप्त काल में आर्थिक दशा	2·135—2·137
सोलहवां	**हूण, यशोधर्मन, मैत्रक और मौखरि वंश** (Hunas, Yashodharman, Maitraka and Maukhari Dynasties)	2·139—2·145
सत्रहवां	**हर्षवर्धन** (Harsha Vardhana, 606—647 A.D.)	2·146—2·201
	प्रभाकर वर्धन तथा राज्य वर्धन	2·146
	हर्ष वर्धन की विजयें	2·247—2·153
	हर्ष का धर्म	2·154—2·160

अध्याय	विषय	पृष्ठ
	कन्नौज और प्रयाग की धार्मिक सभाएँ	2·160—2·162
	हर्ष का शासन	2·163—2·172
	हर्ष का सैनिक प्रशासन	2·172—2·174
	हर्ष का मूल्यांकन	2·174—2·177
	हर्ष के काल में भारत की धार्मिक दशा	2·177—2·180
	हर्षकालीन भारत में सामाजिक जीवन	2·180—2·186
	हर्षकालीन भारत का आर्थिक जीवन	2·186—2·190
	बाण और ह्यूनसांग के विवरण	2·190—2·199
	ईत्सिंग का भारत के बारे में विवरण	2·199—2·201
अठारहवां	**राजपूत युग** (The Age of the Rajputs, 647—1200 A.D.)	2·202—2·256
	राजपूतों की उत्पत्ति सम्बन्धी मत	2·202—2·208
	हर्ष के बाद उत्तरी भारत के मुख्य राज्य	2·208
	यशोवर्मन	2·208
	प्रतीहार राजवंश का उत्थान व पतन (नागभट्ट, मिहिर भोज इत्यादि)	2·208—2·218
	कन्नौज का गाहड़वाल वंश	2·218—2·220
	बंगाल का पाल वंश (धर्मपाल, देवपाल इत्यादि)	2·220—2·228
	बुन्देलखण्ड के चन्देल—राजा ढंग इत्यादि	2·228—2·231
	चेदि के कलचुरी	2·231
	वल्लभी और गुजरात के सोलंकी तथा बघेले	2·231—2·232
	मालवा के परमार— राजा भोज इत्यादि	2·232—2·234
	मेवाड़ के गुहिलोट	2·234—2·236
	अजमेर और दिल्ली के चौहान, पृथ्वीराज इत्यादि	2·236—2·245
	सेन वंश	2·236—2·245
	कश्मीर के राजवंश	2·245
	राजपूत शासन-पद्धति	2·245—2·251
	राजपूत सभ्यता व संस्कृति	2·251—2·253
	राजपूत काल में सामाजिक जीवन	2·253—2·255
उन्नीसवां	**दक्षिणी भारत के राजवंश (600—1200 ई०)** (Dynasties of South India, 600—1200 A.D.)	2·257—2·302
	पल्लव वंश	2·257—2·265
	दक्षिण के चालुक्य	2·265—2·266
	वादामी के पूर्वकालीन पश्चिमी चालुक्य	2·266—2·272
	चालुक्यों के अधीन दक्षिण की स्थिति	2·272—2·274
	राष्ट्रकूट वंश	2·274—2·286

CamScanner

अध्याय	विषय	पृष्ठ
	राष्ट्रकूट वंश का इतिहास में महत्व	2·282
	राष्ट्रकूट प्रशासन	2·282
	चोल वंश	2·286
	राजराज महान्, राजेन्द्र प्रथम तथा अन्य चोल राजे	2·294
	चोल प्रशासन	2·295—2·298
	चोलों का समुद्री व्यापार और नौ सैनिक कार्य	2·298—2·299
	चोल कला	2·299—2·300
	देवगिरि के यादव	2·300—2·301
	द्वारसमुद्र के होयसल	2·301
	पाण्ड्य और चेर वंश	2·301—2·302
बीसवां	भारतीय सभ्यता और संस्कृति (600—1200 ई० पू०) (Indian Civilization and Culture, 600 A.D. to 1200 A.D.)	2·303—2·311
	सामाजिक अवस्था	2·303—2·304
	धार्मिक अवस्था	2·304—2·307
	दर्शनशास्त्र की उन्नति	2·307—2·308
	साहित्य की उन्नति	2·308
	कला की उन्नति	2·308—2·310
	विज्ञान की उन्नति	2·310—2·311
इक्कीसवां	विदेशों में भारतीय व्यापार तथा संस्कृति का विस्तार (Expansion of Indian Trade and Culture in Foreign Countries)	2·312—2·326
	बृहत्तर भारत का जन्म	2·312
	भारत के मैसेपोटेमिया, अरब तथा सीरिया से सम्बन्ध	2·312—2·313
	भारत के मिस्र तथा यूनान से सम्बन्ध	2·313—2·314
	भारत के रोम के साथ सम्बन्ध	2·314
	भारत के ईरान के साथ सम्बन्ध	2·314—2·315
	भारत के अफगानिस्तान के साथ सम्बन्ध	2·315
	भारत के मध्य एशिया के साथ सम्बन्ध	2·315
	भारत के तिब्बत, चीन, जापान, कोरिया तथा मंगोलिया से सम्बन्ध	2·316—2·317
	भारत के लंका, बर्मा तथा चम्पा (अन्नाम) से सम्बन्ध	2·317—2·320
	भारत के मलाया, जावा, समाटरा, बोर्नियो, बाली द्वीप तथा कम्बुज से सम्बन्ध	2·320—2·326

तीसरा खण्ड

अध्याय	विषय	पृष्ठ
बाइसवां	भारत में ईसाई और इस्लाम धर्म का आगमन (Advent of Christianity and Islam in India)	3·3—3·15
	इस्लाम के संस्थापक हजरत मुहम्मद साहिब (Mohmmad—the Prophet of Islam)	3·3—3·8
	अरबों की सिन्ध विजय (Arabs Conquest of Sindh)	3·8—3·11
	अरबों के आगे बढ़ने के यत्न और उनकी असफलता (Arab's efforts to advance into the interior of India and their failure)	3·11
	अरबों का सिन्ध में शासन-प्रबन्ध (Arab administration in Sindh)	3·12—3·13
	अरबों की सिन्ध विजय के परिणाम (Effects of the Arab Conquest of Sindh)	3·13—3·15
तेईसवां	महमूद गजनवी तथा उसके उत्तराधिकारी (Mahmud Ghaznavi and his Sucessors)	3·16—3·37
	सुबुक्तगीन के आक्रमण (Invasions of Subuktagin)	3·16—3·21
	महमूद गजनवी के आक्रमण (Invasions of Mahmud Ghaznavi)	3·21—3·25
	महमूद गजनवी के आक्रमण का उद्देश्य (Object of Mahmud Ghaznavi's invasions)	3·25—3·29
	महमूद गजनवी का चरित्र (Character of Mahmud)	3·29—3·33
	महमूद गजनवी के आक्रमणों का परिणाम (Effects of Mahmud Ghaznavi's invasions)	3·33—3·34
	अलबरूनी का भारत-वर्णन (Alberuni's Description of India)	3·34—3·36
	महमूद के उत्तराधिकारी (Successors of Mahmud)	3·36
चौबीसवां	मुहम्मद गौरी की भारत विजय (Mohmmad Gauri and his Indian Conquests)	3·38—3·58
	मुहम्मद गौरी के आक्रमण (Invasions of Mohmmad Gauri)	3·38—3·49
	मुहम्मद गौरी का चरित्र और इतिहास में उसका स्थान (Character of Mohmmad Gauri and his place in History)	3·49—3·50
	हिन्दुओं की हार के कारण (Causes of the defeat of the Hindus)	3·50—3·58

अध्याय	विषय	पृष्ठ
पच्चीसवाँ	दास वंश (The Slave Dynasty) कुतुबुद्दीन ऐबक, इल्तुतमिश, राजस्थान में हिन्दू शक्तियों का पुनरुत्थान, दोआब के हिन्दुओं का कड़ा मुकाबला, इल्तुतमिश के उत्तराधिकारी, उड़ीसा, दक्षिणी बिहार, आसाम, मध्य भारत, बुन्देलखण्ड, दोआब और राजस्थान में हिन्दुओं की शक्ति का पुनरुत्थान, बलबन तथा उसके उत्तराधिकारी।	3·59—3·9[illegible]
छब्बीसवाँ	खिलजी वंश जलालुद्दीन खिलजी, तथा अलाउद्दीन खिलजी, अलाउद्दीन खिलजी तथा मंगोल, अलाउद्दीन की विजय, अलाउद्दीन खिलजी का राजत्व सिद्धान्त, अलाउद्दीन खिलजी का शासन-प्रबन्ध, अलाउद्दीन खिलजी के आर्थिक सुधार, अलाउद्दीन के उत्तराधिकारी।	3·97—3·132
सत्ताईसवाँ	तुगलक वंश गयासुद्दीन तुग़लक, मुहम्मद बिन तुग़लक, उसके कार्य तथा चरित्र, फीरोज़ तुग़लक, उसके सुधार तथा विजय, फिरोज तुगलक के उत्तराधिकारी तथा तैमूर की चढ़ाई, तुग़लक साम्राज्य के पतन के कारण।	3·133—3·181
अट्ठाईसवाँ	सैयद, लोदी तथा प्रान्तीय राजवंश	3·182—3·196
उन्तीसवाँ	बहमनी तथा विजय नगर राज्य	3·197—3·211
तीसवाँ	दिल्ली सुलतानों के काल में शासन, समाज की दशा तथा भक्ति आन्दोलन।	3·212—3·220